

**SHRI VASANT SATHE:** to which reply was already given.

**SHRI SAMAR GUHA:** Data in regard to what? In regard to certain steps. I wanted to know about those steps. Dereliction of duty does not mean an ethereal subject; it is a theoretical subject on the basis of certain happenings. Only on the basis of certain happenings if data and statistics are provided, can we ascertain whether there was dereliction of duty or not. That is the reason why I wanted the data connected with that.

**MR. SPEAKER:** I am not going to involve myself in arguments with you. Let him answer.

**SHRI RAM NIWAS MIRDHA:** My answer would still be the same that this question concerns itself specifically with senior officers being dealt with for any possible dereliction of duty. As regards the number of cases of riots that took place and what action was taken against any officers, if a separate question is tabled, I will answer.

**स्वतंत्रता सेनानियों को ताम्र पत्र देना**

\*146. श्री लालजी भाई : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के सिलसिले में अब तक कुल कितने और किन किन लोगों को ताम्र पत्र दिए जा चुके हैं।

(ख) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 30 जुलाई के 'सिवाग्राम' में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि उनमें से 35 प्रतिशत व्यक्ति ताम्र पत्र पाने के अधिकारी नहीं हैं।

(ग) क्या दिल्ली पुलिस की अपराध जांच शाखा ताम्र पत्र पाने वाले 36 व्यक्तियों के विरुद्ध जांच कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या हैं?

गृह-मंत्रालय में उप-मंत्री ( श्री एफ० एच० मोहिसिन ) : (क) अब तक उपर्युक्त सूचना के अनुसार, 31 अक्टूबर, 1973 तक 33529 ताम्र पत्र प्रदान किए गये हैं। इन सभी व्यक्तियों के नाम देना सम्भव नहीं है। फिर भी, पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम तथा अन्य विवरण का प्रस्तुतीकरण के समय, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र शासनों द्वारा की प्रचार किया जाता है।

(ख) जी हां, श्रीमान्।

(ग) और (घ) : इस शिकायत के सम्बन्ध में जिसमें आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के 36 व्यक्तियों को, जो पात्र नहीं थे, पेंशन अथवा ताम्रपत्र दिए गये थे, दिल्ली पुलिस के माध्यम से दिल्ली प्रशासन द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। जांच पड़ताल पूरी नहीं हुई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक मामले में उपयुक्त कार्यवाही की जाएगी।

श्री छटल बिहारी बाजपेयी : मोहिसिन साहब की बहुत अच्छी हिन्दी के लिए बधाई। उन को बहुत बहुत मुबारक हो।

श्री लालजी भाई : इस प्रणाली के आधार पर 31 अक्टूबर, 1973 तक 33529 ताम्र-पत्र प्रदान किए गए, जब कि उनमें से 35 प्रतिशत लोग उस के अधिकारी नहीं थे, ऐसी गल्ती क्यों हुई?

गृह मंत्री (श्री उमाशंकर बीकित) : आप के इस प्रश्न में कहा गया है कि 35 प्रतिशत ऐसे थे जो इस को पाने के पात्र नहीं थे। लेकिन हम ने ऐसा नहीं कहा है कि 35 प्रतिशत गलत लोगों को दिया गया है। जिन लोगों के बारे में शिकायतें मिली थी, उन के बारे में जांच हो रही है, जब जांच पूरी हो जाएगी, तब हम आप को सूचना दे सकेंगे।

श्री छटल बिहारी बाजपेयी : इनके सवाल का जवाब बीजिए—कि कसौटी के आधार पर दिया गया?

श्री लालजी भाई : जिन 36 व्यक्तियों के विह्वल जांच हो रही है। उनमें से कितने कांग्रेसी हैं, और कितने दूसरे व्यक्ति हैं? दूसरा प्रश्न— भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए सरकार ने कौन सी कार्यवाही की है।

श्री उमाशंकर बीक्षत : जब तक उन 36 केसब के बारे में सूचना न आये, तक तब तक किस तरह का है—यह बताना हमारे लिए सम्भव नहीं है।

श्री पी० जी० माबलंकर : जिन लोगों को ताम्रपत्र दिए गये हैं, उन में कितने ऐसे हैं जिन्होंने ताम्रपत्र स्वीकार नहीं किए तथा स्वीकार न करने के कारण क्या थे ?

SHRI F. H. MOHSIN: We have got a list of eight persons who have so far declined to accept the award of Tamrapatra.

श्री पी० जी० माबलंकर : अणु को बघाई दिए जाने के बाद मैंने भी हिन्दी में शुरू किया इस उम्मीद से कि आप हिन्दी के सवाल का का जवाब हिन्दी में ही बेंगे।

श्री एफ० एच० मोहसिन : अगर आप हिन्दी में सुनना चाहते हैं तो हिन्दी में बोलूंगा हमारे पास ऐसे 8 आदमियों की लिस्ट है जिन्होंने उसे लेने से इन्कार किया था। और आप नाम सुनना चाएं तो नाम भी बतला सकता हूं....

श्री पी० जी० माबलंकर : कृपया नाम बतलाइये।

श्री एफ० एच० मोहसिन

1. श्री घासीराम (राजस्थान)
2. श्रीमती अन्नना देवी चौधरी
3. श्री जगन्नाथ कक्कड़
4. श्री नारायण पिल्ले
5. श्री पी० के० कुंजू

6. श्री अच्युत नन्दन

7. हरियाणा गवर्नमेंट ने नाम नहीं दिया है, लेकिन एक आदमी ने वहां रिसेव नहीं किया है।

8. मीर मुश्ताक अहमद

श्री पी० जी० माबलंकर : इन्होंने क्या कारण बतलाये हैं।

श्री एफ० एच० मोहसिन : अगर मैं कारण बताऊंगा तो बहुत समय लगेगा। अगर समय दिया जाए तो बतला सकता हूं।

श्री पीलू मोदी : मैं आप के माध्यम से मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं—ऐसे कितने लोग हैं जिन्होंने ताम्र-पत्र के लिए एप्लीकेशन भेजी थी, उन के पर्टिकुलर्स दिए गए थे, लेकिन फिर भी उन को नहीं मिले। मैं जानना चाहता हूं कि जिन के केस साबित भी हो चुके थे, फिर भी उनको किस कारण से नहीं दिए गए ?

श्री एफ० एच० मोहसिन : जो फ्रीडम फाइटर्स हैं और जिन को पेंशन मिल रही है उन सभी को ताम्र-पत्र मिलना चाहिए। इन के अलावा जिन की इन्कम 5 हजार से जादा हो, उन को भी मिलना चाहिए। अब तक जिन को दिया गया है, उन की स्टेटबाइज लिस्ट बनाई गई है। ये ताम्रपत्र राज्य सरकारों द्वारा दिए जाते हैं, सेन्ट्रल गवर्नमेंट से नहीं दिए जाते हैं।

SHRI PILOO MODY: Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi, has distributed so many.

श्री एफ० एच० मोहसिन : पहली मर्तबा 15 अगस्त, 1972 को चन्द लोगों को यहां पर प्रधान मंत्री जी द्वारा ताम्र-पत्र दिये गये—उस के बाद यहां ऐसा कोई फंक्शन नहीं हुआ और राज्य सरकारें ही ये ताम्र-पत्र वितरण कर रही है।...

श्री पालू बाबा : हम को फक्शन नहीं चाहिए, हम का ताम्र-पत्र चाहिए।

श्री एक० एक० मोहम्मिन : आप मुझ को जवाब पूरा करने बाजिये। जिन स्टेटों में ताम्र-पत्र वितरण का काम ठाक तरह से नहीं हुआ है, उन सभी राज्य सरकारों को होम मिनिस्टर साहब ने ताम्र-पत्र वितरण की आवश्यकता के बारे में लिखा है।

PROF. MADHU DANDAVATE: May I know whether any members of the Royal Indian Navy who participated in the mutiny in 1946 have been awarded Tamrapatra? To the lasting shame of the nation, not a single man from the Royal Indian Navy has been given the Tamrapatra. Please let the Minister clarify this. (Interruption) It is a very important question. Let the Minister reply to that. (Interruption)

SHRI S. M. BANERJEE: I wanted to put the same question. It is with reference to those people who revolted here at the time of the Britishers. The British called it the mutiny. I would like to know whether it is a fact that none of those people who revolted against the British Empire—they were in the Royal Indian Navy—have been given the Tamrapatra. I would like to know whether it is true or not.

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT: May I give a little information on that subject? Because it was not possible for us to ascertain the exact merits of each case, a Committee has been appointed with Mr. Shah Nawaz Khan as the Chairman to go into these cases, and there the INA personnel civilian.. (Interruption)

SHRI S. M. BANERJEE: I am talking of R.I.N.

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT: I am sorry.

SHRI F. H. MOHSIN: We have got a total list of persons who have been

awarded. We have no separate list of those people... (Interruptions)

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF ELECTRONICS AND MINISTER OF SPACE (SHRIMATI INDIRA GANDHI): Both the INA personnel and the unit of the Royal Navy are included in the pension scheme and, therefore, they should also be eligible for Tamrapatra. Whether they have been given or not, we shall have to enquire from the State Governments.

#### Pending Applications for Industrial Licences

\*149. SHRI K. S. CHAVDA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) the present position of pending applications for Industrial Licences to be categorised as under:

- (i) pending for over three months but less than six months;
- (ii) pending for six months and over but less than 12 months;
- (iii) pending for twelve months and over; and

(b) when the applications pending for over twelve months are expected to be disposed of?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): (a) As on 1st November 1973, 724 applications were pending for over 3 months but less than 6 months, 881 applications were pending for over 6 months but less than 12 months and 1472 applications were pending for over 12 months.

(b) Every effort is being made to dispose of these applications as expeditiously as possible.

SHRI K. S. CHAVDA: Government has since laid down a revised procedure for the disposal of applications received on or after 1st November